केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 260 बुधवार 15 अप्रैल 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

सम्राट चौधरी बिहार के नये मुख्यमंत्री

पटना (आभा)। बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी राज्य में भारतीय जनता पार्टी के पहले मुख्यमंत्री बनने जा रहे हैं। भाजपा विधायक दल की बैठक में सम्राट को लगातार तीसरी बार नेता चुना गया है। सम्राट के नेतृत्व में एनडीए की नई सरकार 15 अप्रैल को शपथ लेगी। सम्राट चौधरी कल सीएम बनते ही अपशकुनी मान्यता से जुड़ा 56 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ देंगे, जो यह धारणा बनाता था कि जो डिप्टी सीएम बन जाता है, वो कभी मुख्यमंत्री नहीं बन पाता। सम्राट इसी के साथ समाजवादी नेता भारत रत्न कर्पूरी ठाकुर की भी बराबरी कर लेंगे, क्योंकि कर्पूरी ठाकुर वह आखिरी डिप्टी सीएम हैं, जिन्हें 56 साल पहले पहली बार सीएम बनने का मौका मिला था।

बिहार में कर्पूरी ठाकुर के बाद 56 साल से कोई उप–मुख्यमंत्री कभी मुख्यमंत्री की कुर्सी तक नहीं पहुंच पाया। कर्पूरी ठाकुर 1967 में पहली बार सोशलिस्ट पार्टी की महामाया प्रसाद सिन्हा सरकार में डिप्टी सीएम बने थे। लगभग एक साल तक वह उप–मुख्यमंत्री पद पर रहे। 1970 में कर्पूरी ठाकुर पहली बार सीएम बने और सरकार लगभग छह महीने चली। इमरजेंसी के बाद हुए चुनाव में जनता पार्टी की सरकार बनी तो कर्पूरी 1977 में दूसरी बार मुख्यमंत्री बने। इस बार कर्पूरी की सरकार 2 साल से कुछ कम समय तक चली।बिहार को आजादी के बाद से अब तक 10 डिप्टी सीएम मिले हैं। कर्पूरी ठाकुर से पहले कांग्रेस के अनुग्रह नारायण सिन्हा 11 साल डिप्टी सीएम रहे, लेकिन सीएम ना बन सके। कर्पूरी ठाकुर के बाद जगदेव प्रसाद, राम जयपाल सिंह यादव, सुशील मोदी, तेजस्वी यादव, तार किशोर प्रसाद, रेणु देवी, सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा डिप्टी सीएम बने। कर्पूरी 1970 में पहली बार सीएम बने थे। उनके बाद बना कोई डिप्टी सीएम अब तक सीएम नहीं बन पा रहा था। 56 साल बाद सम्राट चौधरी ने उस रिकॉर्ड को ध्वस्त कर दिया है।

होर्मुज स्ट्रेट बंद होने से बढा तनाव

तेहरान (आभा)। मध्य पूर्व में एक बार फिर से तनाव बढ़ने और होर्मुज स्ट्रेट की नाकाबंदी से दुनिया टेंशन में है। इस तनाव के बीच ब्रिटेन ने अमेरिका–इजरायल की पोल खोलकर रख दी है। ब्रिटेन की वित्त मंत्री राहेल रीव्स ने अमेरिका और इजरायल की ओर से ईरान युद्ध को लेकर स्पष्ट निकास योजना या उद्देश्यों के अभाव पर गहरी निराशा व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट को ईरान द्वारा आंशिक रूप से बंद किए जाने के बाद भी अमेरिका और इजरायल के पास कोई ठोस योजना नजर नहीं आ रही, जो बेहद निराशाजनक है। स्पेन के अर्थव्यवस्था मंत्री कार्लोस कुएर्पो के साथ एक कार्यक्रम में रीव्स ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट के बंद होने की पहले से आशंका थी, लेकिन अब आगे क्या किया जाए, इसकी कोई योजना दिखाई नहीं दे

रही। यह स्थिति बेहद निराशाजनक है।

रीव्स ने आगे चेतावनी दी कि मध्य पूर्व में चल रहे संघर्ष के कारण ऊर्जा कीमतों में उछाल आने से ब्रिटिश परिवारों और व्यवसायों पर अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार द्वारा दी जाने वाली कोई भी सहायता घरेलू आय के आधार पर लक्षित होगी, यानी जरूरतमंदों तक ही सीमित रहेगी। जुलाई में घरेलू ऊर्जा बिलों में बढ़ोतरी की आशंका है।

जयन्ती पर बाबा साहब को किया नमन्

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

गौर (बस्ती)। गौर ब्लाक के सभागार में बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के 135 वीं जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाया गया जिसमें सफाई कर्मचारी संघ के लोगों द्वारा आयोजन किया गया जिसमें खंड विकास अधिकारी गौर, सहायक विकास अधिकारी, ए डी ओ अनिल कुमार सचिव राजेश कुमार तथा मुख्य अतिथि गौर ब्लाक प्रमुख ने संबोधित करते हुए कहा की बाबा साहब अपने विद्वता और कार्यों के कारण आज पूरे देश में याद किए जाते हैं उनका जन्म भले ही साधारण परिवार में हुआ हो लेकिन उन्होंने अपने प्रतिभा के बल पर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी अमित पहचान बनाई जिसके चलते आदेश के कोने–कोने में उनके ना रहने पर भी उनका जन्मदिन लोग आदर से मनाते हैं कार्यक्रम के संयोजक मुख्य रूप से सफाई कर्मचारी संघ अध्यक्ष बजरंगी,जो लगातार पांचवीं बार अध्यक्ष का दायित्व निभा रहे हैं कोषाअध्यक्ष विजय कुमार, मंत्री महि बुल्ला, संगठन मंत्री देवेंद्र कुमार ,लेखा संप्रेक्षक हजारी लाल, राम विलास , रमेश चंद्र , संतोष कुमार , तिलक राम प्रकाश गौड़, बसंत लाल भारत कुमार यादव संतोष शर्मा वासुदेव सिंह सति राम वर्मा नंदलाल मिश्रा शफा तुल्लाह संजय कुमार राम बहादुर यादव सियाराम राजेंद्र कुमार श्रीनिवास संजय कुमार श्रीवास्तव तथा महिलाओं में गीता देवी, उर्मिला, रंजना मौर्या,दीपा देवी आदि उपस्थिति रही,

बाबा साहब को किया नमन्, 22 प्रतिज्ञाओं पर चर्चा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के जयंती अवसर पर अर्जक समाज के राष्ट्रीय संयोजक गौरीशंकर और भारतीय दलित वर्ग संघ के राष्ट्रीय सचिव साधूशरन आर्य के संयोजन में कटेश्वर पार्क और ओपेक चिकित्सालय कैली परिसर, निर्मली कुण्ड स्थित बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ ही उनके योगदान पर चर्चा किया। उपस्थित लोगों में बाबा साहब के 22 प्रतिज्ञाओं को दोहराया गया।

कार्यक्रम में भीम युवा वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनू राव, सिद्धनाथ प्रजापति, वी.पी.राव, जे.पी कन्नौजिया, रमेश चन्द्र गौतम, रामशंकर निराला, ज्ञानदास कन्नौजिया, संदीप कुमार, संजय कुमार, सुनील कुमार, रवि पासवान, शोभी सोनकर, सुनील कुमार, अमर, तीजू प्रसाद, चीनी, दीनदयाल आदि शामिल रहे।

युगों तक याद किये जायेंगे बाबा साहब–आर. के. आरतियन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बाबा साहब डा. भीमराव अम्बेडकर को उनके जयन्ती अवसर पर याद किया गया। भारत मुक्ति मोर्चा के पूर्वांचल जोन प्रभारी आर. के. आरतियन, बामसेफ के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष डा. आर. के. आनन्द, बीएमपी के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य चन्द्रिका प्रसाद, मण्डल अध्यक्ष हृदय गौतम आदि ने कटेश्वर पार्क स्थित बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। कहा कि भारत रत्न बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे। वह राजनीतिज्ञ, आंदोलनकर्मी, पत्रकार, समाज सुधारक, कानूनविद् और समाजशास्त्री के साथ अर्थशास्त्री भी थे। बाबा साहब जिन मूल्यों के लिये आजीवन संघर्ष किया वह चुनौतियां अभी कम नहीं हुई है, इसके लिये निरन्तर संघर्ष जारी रखना होगा। उनके विचार युगों तक मार्गदर्शक बने रहेंगे।

बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने वालों में राष्ट्रीय मूलनिवासी महिला संघ की सदस्य गुन्जन गौतम, चंद्र प्रकाश गौतम जिला अध्यक्ष बीएमपी युवा विंग, जिला अध्यक्ष भारत मुक्ति मोर्चा महिला विंग सरिता भारती, आर के गौतम , बुद्ध प्रिय पासवान, नीलू निगम अमर जीत आर्य, प्रदीप चौधरी, राम सुरेश, राम नरेश चौधरी, काजल , संजू, अमित कुमार डीसी, हरिशंकर, सरोज, संध्या राज के साथ ही बड़ी संख्या में लोग शामिल रहे।

जयन्ती पर बाबा साहब को किया नमन्

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मंगलवार को बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती अवसर पर नेहरू युवा कल्याण समिति महरीपुर के अध्यक्ष जग प्रसाद के संयोजन में बहादुरपुर विकास खण्ड क्षेत्र के बेलवाडाड 'पिकौरा' गांव में स्थित बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ ही उनके योगदान पर चर्चा किया गया। इसके पूर्व पद यात्रा निकाली गई। पद यात्रा और बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने वालों में सुधीर कुमार, सुशील कुमार, जय प्रकाश, गुलशन कुमार, अमित कुमार 'आंशू' अजय कुमार, लक्ष्मी प्रसाद, सुगीव प्रसाद, अजीत कुमार आदि शामिल रहे।

प्रधानमन्त्री शहरी आवास योजना 2.0 में भ्रष्टाचार का आरोपः भाजपा नेता ने किया कार्रवाई की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारतीय जनता पार्टी बस्ती सदर विधानसभा क्षेत्र के मुण्डेरवा के मण्डल अध्यक्ष सर्वजीत भारती ने डूडा कार्यालय के परियोजना अधिकारी को रजिस्टर्ड पत्र भेजकर प्रधानमन्त्री शहरी आवास योजना 2.0 में व्याप्त आर्थिक भ्रष्टाचार को रोकने और दोषियों के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की मांग किया है।

भेजे पत्र में भाजपा नेता सर्वजीत भारती ने कहा है कि सांगठनिक कार्य हेतु नगर पंचायत मुण्डेरवा में भ्रमण के दौरान उन्हे बताया गया कि प्रधानमन्त्री आवास शहरी योजना 2.0 में पात्र लाभार्थियो से उनके द्वारा फोटो खीचने के नाम पर लगभग 20 हजार रुपये सी०एल०सी०सी (अटैच नगर पंचायत मुण्डेरवा) ऋषभ सोनकर द्वारा लिया जा रहा है और जिन लाभार्थियो का पैसा नही मिल रहा है उनका अभी तक जिओ टैग नहीं खीचा गया और कहते है कि व्यवस्था के बिना जिओ टैग नही हो पायेगा। इस कर्मी के कृत्य से सरकार की मंशा व छवि धूमिल हो रही है इसलिये उक्त कर्मी की सम्बद्धता नगर पंचायत मुण्डेरवा से समाप्त करते हुए किसी दूसरे कर्मी की तैनाती की जाय जिससे सरकार की मंशानुरुप हर अन्तिम पात्र व्यक्ति तक लाभ पहुंच सके।

खुद की क्षमताओं पर यकीन रखते थे बाबा साहब–महेन्द्रनाथ यादव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । मंगलवार को समाजवादी पार्टी कार्यालय पर बाबा साहब के जयन्ती अवसर पर पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं ने उनके व्यक्तित्व, कृतित्व, योगदान पर विस्तार से चर्चा किया। सपा जिलाध्यक्ष और सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने बाबा साहब को नमन् करते हुये कहा कि बाबा साहब हमेशा लोगों को साथ लेकर चले, इसीलिए उनका व्यक्तित्व इतना बड़ा बन सका। बाबा साहब खुद की क्षमताओं पर यकीन रखते थे, उनका मानना था कि अगर व्यक्ति को खुद पर भरोसा है तो वो बड़े से बड़ा काम भी आसानी से कर सकता है। उन्होने कठिन परिवेश में समाज निर्माण के दायित्वों को बखूबी निभाया। नयी पीढी को बाबा साहेब से प्रेरणा लेना चाहिये।

विधायक कविन्द्र चौधरी अतुल ने कहा कि बाबा साहब का मानना था कि व्यक्ति की तरक्की में सभी का साथ होता है, इसलिए उसे लोगों को साथ लेकर चलना चाहिए। उनका योगदान सदैव याद किया जायेगा।

पूर्व विधायक राजमणि पाण्डेय, राम जियावन, जावेद पिण्डारी, गीता भारती, संजय गौतम, मो. स्वालेह, मो. सलीम, समीर चौधरी, आर.डी. निषाद, आदि ने कहा कि बाबा साहब का बचपन काफी संघर्ष भरा था, लेकिन उन्होंने हर परिस्थिति का डटकर सामना किया और अपनी शिक्षा को पूरा किया। ये बाबा साहब की काबिलियत ही थी कि उन्होंने 32 डिग्रियां हासिल की, इतना ही नहीं डॉक्टरेट की डिग्री उन्होंने विदेश से ली, इसके बाद दलितों के उत्थान के लिए काम करना शुरू किया। उन्हे भारत के संविधान निर्माण का श्रेय है। उनका व्यक्तित्व विराट है, उनका योगदान सदैव याद किया जायेगा।

सपा कार्यालय पर आयोजित कार्यक्रम के बाद सपा जिलाध्यक्ष और सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने कटेश्वरपार्क स्थित बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन् किया और जनपद के अनेक हिस्सों में आयोजित कार्यक्रमों में हिस्सा लिया।

बाबा साहब के जयन्ती अवसर पर मुख्य रूप से नगर पंचायत अध्यक्ष कौशलेन्द्र सिंह 'राजू' राजेन्द्र चौरसिया, धर्मराज यादव, गुलाब सोनकर, संजय गौतम, सुरेश सोनकर, जीत बहादुर सिंह, राजेन्द्र यादव, रामशंकर निराला, सौरभ मिश्रा 'सनी', जमील अहमद, तूफानी यादव, श्याम सुन्दर यादव, हिमांशु रानू सिंह, नितराम चौधरी 'मल्लू' जर्सी यादव, भरथ राम चौधरी, राजेश यादव, गौरव सिंह, रजनीश यादव, राजाराम यादव, सुभाष चन्द्र यादव, अरविन्द यादव, का. रामलौट, महेन्द्र के साथ ही पार्टी के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में समाजवादी पार्टी के क्रांतिकारी साथी विश्वम्भर चौधरी और वरिष्ठ नेता श्याम मणि यादव के पूज्य पिता के आकस्मिक निधन पर दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धासुमन अर्पित किया गया।

मूक चेतना की मुखर आवाज हैं बाबा साहेब–जितेन्द्र कुमार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मंगलवार को भारत रत्न मूक चेतना की आवाज को स्वर देने वाले बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर को उनकी जयन्ती पर याद किया गया। सदर विकास खण्ड के ग्राम पंचायत दुबखरा के ग्राम संसारपुर फुटहिया चौराहे के निकट स्थित अंबेडकर पार्क में बाबा साहब की जयंती समारोह का आयोजन किया गया ।

समारोह के आयोजक और समिति के अध्यक्ष जितेन्द्र कुमार ने बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुये कहा कि डॉ. आंबेडकर, भगवान बुद्ध सामाजिक विकास मिशन समिति द्वारा निरन्तर उनके सपनों को साकार करने के लिये प्रयत्न निरन्तर जारी है। कहा कि बाबा साहेब ने आजीवन दलित, वंचित, उपेक्षित , महिलाओं ,दलितों शोषितों की स्थिति मजबूत बनाने के लिए काम किया । भारत को दुनिया का सबसे बड़ा लिखित संविधान देकर विश्व पटल पर भारत का दुनिया में रोशन किया , बाबा साहेब संविधान के रचयिता के महान विचारक ,पत्रकार और दार्शनिक थे । उनका योगदान युगों तक याद किया जायेगा।

जयन्ती अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में समिति की संरक्षिका शान्ती देवी, हितलाल, सौरभ गौतम , मृत्युंजय कुमार ,हर्षित ,अथर्व , उज्वल, रामदीन, भगवानदीन , बुद्धिराम, विनोद कुमार, पंकज, दुर्गादास चंदन, अरुण कुमार, अजय कुमार , लालमन , सत्यम, शिवम, अनुज, विधान, पार्वती देवी, सुधा , शिखा, नीलम, कृष्णावती देवी, शान्ती, कृष्णावती देवी कुमार ,सूरज ,जाबिर, अर्जुन, ओम प्रकाश,रामललित , जंग बहादुर ,विजय कुमार, रामनयन , राधेश्याम, के साथ ही बड़ी संख्या में लोग शामिल रहे।

बाबा साहब की जयन्ती पर समाजवादियों ने किया रक्तदान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के जयंती अवसर पर मंगलवार को समाजवादी पार्टी नगर अध्यक्ष युनूस आलम के संयोजन में राजकीय इण्टर कॉलेज के निकट रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। उद्घाटन करते हुये सपा जिलाध्यक्ष एवं सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने कहा कि बाबा साहब की स्मृति में रक्तदान की पहल सराहनीय है। रक्तदान के द्वारा हम दूसरों की जान बचाने का माध्यम बनते हैं।

शिविर में सपा नेता अरविन्द सोनकर, युनूस आलम, प्रवीण पाठक, नियाज अहमद, ऐजाज अहमद, अकबर अली, शरद तिवारी, दिनेश तिवारी, सुरेन्द्र यादव, राहुल सोनकर, कुतुबुद्दीन, डी.के., सुनील कुमार वर्मा, गौतम यादव, मो. आसिफ, रवि सोनी के साथ ही 25 लोगों ने रक्तदान किया। शिविर को सम्पन्न कराने में राम सिंह यादव, भोला पाण्डेय, मो. सलीम, हनुमान गोंड, सलमान, मो. हारिश, विशाल सोनकर, राहुल विश्वकर्मा, मो. नसीम, रमेश गौतम, बब्लू खान आदि ने योगदान दिया।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 15 अपैल 2026 बुधवार

सम्पादकीय

श्रमिकों का आन्दोलन और तंत्र

कोरोना संकट के बाद पटरी पर लौटती वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं को दुनिया के कई भागों में जारी युद्ध व संघर्ष ने फिर पटरी से उतार दिया है। महाशक्तियों की महत्वाकांक्षा मानवता और आम आदमी के जीवन पर भारी पड़ी है। यूक्रेन युद्ध ने दुनिया की अर्थव्यवस्थाओं और यूरोप की ऊर्जा आपूर्ति को बाधित जरूर किया, लेकिन उसका असर उतना व्यापक नहीं था, जितना खाड़ी युद्ध का रहा है। जाहिरा तौर पर वैश्विक आपूर्ति शृंखला बाधित होने से आम आदमी के जीवन पर बहुत नकारात्मक असर पड़ा है। बढ़ती महंगाई ने आम आदमी की जीवन शैली व थाली पर गहरा प्रभाव डाला है। अमेरिका के साम्राज्यवादी मंसूबों और इस्राइल की आक्रामकता से उपजे खाड़ी संकट ने एशिया ही नहीं, बल्कि यूरोप, अफ्रीका व अमेरिका की ऊर्जा आपूर्ति शृंखला को संकट में डाल दिया है। संयुक्त राष्ट्र की विफलता के चलते आज दुनिया में 'जिसकी लाठी, उसकी भैंस' वाली कहावत चरितार्थ हुई है। जिसका सीधा असर महंगाई वृद्धि के रूप में सामने आया है। एक ओर ईंधन संकट और उससे बुरी तरह प्रभावित जनजीवन आक्रोश का कारक बना है। विडंबना यह है कि इस महंगाई के बीच कामगारों के वेतन सिकुड़ने लगे हैं। जीवनयापन कठिन होते और कोई समाधान न निकलते देख श्रमिकों का आक्रोश सड़क तक पहुंचने लगा है। सोमवार को उत्तर प्रदेश के नोएडा में फैक्ट्रियों के श्रमिकों द्वारा किया गया हिंसक प्रदर्शन इस संकट की परिणति ही है। वहीं दूसरी ओर हरियाणा की औद्योगिक नगरी मानेसर में भी पुलिस व श्रमिकों के बीच हिंसक झड़पों की खबरें आई हैं। ये टकराव भारतीय औद्योगिक तंत्र की विसंगतियों की ही याद दिलाते हैं। इस तरह के हिंसक संघर्ष हमारी कानून–व्यवस्था की विफलता को भी उजागर करते हैं। वहीं बताते हैं कि श्रमिक वर्ग, उद्योग और राज्य सरकार के बीच कहीं न कहीं संवाद की कमी है। यही वजह है कि वेतन बढ़ाने की मांग के समर्थन में शुरू हुआ मार्च कालांतर आगजनी, तोड़फोड़ व यातायात बाधित करने में तब्दील हो गया।

निश्चित तौर पर समय रहते इस श्रमिक असंतोष को भांपते हुए बेहतर ढंग से संवाद किया जाता तो शायद टकराव की स्थिति पैदा न होती। दरअसल, सरकारों की तरफ से तो कहा जा रहा है कि देश में ईंधन व गैस आपूर्ति में कोई व्यवधान नहीं है, लेकिन जमाखोरी व प्रशासन की उदासीनता से इसकी कालाबाजारी जारी है। श्रमिक वर्ग जो छोटे गैस सिलेंडरों से जीवन–यापन करता था, उसमें व्यवधान पैदा हो गया। नियंत्रित गैस आपूर्ति से छोटे गैस सिलेंडर भरने का धंधा ठप हो गया। शायद सरकारों को भी इस बात का अहसास नहीं था कि कितना बड़ा श्रमिक वर्ग छोटे गैस सिलेंडरों को भरने के काले धंधे पर निर्भर है। यही वजह है कि हिमाचल समेत कई राज्यों में खाना पकाने के संकट के चलते श्रमिकों के घर लौटने के मामले प्रकाश में आए हैं। लेकिन इस संकट को शासन–प्रशासन के स्तर पर गंभीरता से नहीं लिया गया। निर्विवाद रूप से बढ़ती महंगाई और स्थिर वेतन के बीच बढ़ती खाई से अशांति की जड़ें गहरी होती जा रही हैं। औद्योगिक केंद्रों में कामगार पश्चिम एशिया युद्ध के चलते बढ़ी महंगाई के कारण दबाव में अपना गुजारा करने के लिये संघर्ष कर रहे हैं। निस्संदेह, हरियाणा द्वारा न्यूनतम मजदूरी बढ़ाने का निर्णय इस गंभीर वास्तविकता की स्वीकृति को ही दर्शाता है। लेकिन यह भी हकीकत है कि तात्कालिक उपाय के रूप में बातचीत और शिकायतों का फौरी निवारण कारगर विकल्प नहीं हो सकते। हालांकि, अधिकारी अशांति फैलाने में निहित स्वार्थी तत्वों की भूमिका की जांच कर रहे हैं, लेकिन ये घटनाएं व्यवस्थागत अविश्वास को भी दर्शाती हैं। दरअसल, श्रमिकों का उपेक्षित महसूस करना वातावरण को अस्थिर बनाता है। लेकिन यह एक हकीकत है कि दीर्घकालिक आर्थिक परिवर्तन के लिये विनिर्माण की महत्वाकांक्षाएं स्थिर–प्रेरित कार्यबल के बिना संभव नहीं हैं। औद्योगिक अशांति केवल उत्पादन–निवेश तक ही सीमित नहीं रहती। इससे आपूर्ति शृंखला बाधित होने और निवेशकों का भरोसा कम होने की आशंका भी पैदा होती है। निस्संदेह, आर्थिक प्रगति समावेशी हो। शासन को श्रमिक हितैषी होना चाहिए। विश्वास निर्माण से ही हमारे कारखाने विकास का इंजन बन सकते हैं।

जंगलों के बदलते स्वरूप, घटती ताकत

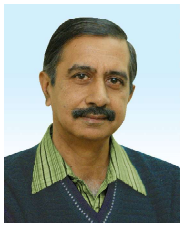

–मुकुल व्यास –

जंगल कार्बन सिंक का काम करते हैं, वे जितना कार्बन छोड़ते हैं उससे कहीं ज्यादा मात्रा में उसे हटाते हैं। धीरे–धीरे बढ़ने वाले घने पेड़ों ने दशकों तक तनों में कार्बन को बंद रखा, क्योंकि ठोस लकड़ी के हर इंच में ज्यादा पदार्थ समा सकता है। तेजी से बढ़ने वाले पेड़ अक्सर कम उम्र में मर जाते हैं। उनके तने हल्के होते हैं, इसलिए उनमें जमा कार्बन तूफान और क्षय से जल्दी हवा में वापस चला जाता है।

दुनिया के जंगल हमारे पारिस्थितिक तंत्र का आधार हैं और ग्लोबल वार्मिंग से लड़कर पर्यावरण का संतुलन बनाए रखने में अहम भूमिका निभाते हैं। लेकिन अब उनकी विशिष्ट भूमिका कमजोर हो रही है क्योंकि जंगलों में तेजी से बढ़ने वाले पेड़ों की भरमार हो रही है और लंबे समय तक जीने वाली प्रजातियां तेजी से गायब हो रही हैं। स्थिर और लंबे जीवनकाल वाले पेड़ों की जगह तेजी से बढ़ने वाले पेड़ों को रखना टिम्बर इंडस्ट्री और जंगल की आग के बाद जल्दी संभलने के लिए फायदेमंद है लेकिन बदलते मौसम का सामना करते समय यह जंगलों को बहुत ज्यादा खतरे में डालता है।

डेनमार्क की ओरहुस यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने 31,001 पेड़ों की प्रजातियों का वैश्विक विश्लेषण करके बताया है कि तेजी से बढ़ने वाले पेड़ किन जंगलों में हावी हो रहे हैं। डेनिश वैज्ञानिक जेन्स–क्रिश्चियन स्वेनिंग ने नक्शों का इस्तेमाल करके दिखाया कि धीरे–धीरे बढ़ने वाले, खास किस्म के पेड़ तेजी से बढ़ने वाली प्रजातियों के आगे हार रहे हैं। स्वेनिंग ने उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय इलाकों में ऐसे कई छोटे पेड़ों का उल्लेख किया है जिनके गायब होने की संभावना सबसे ज्यादा है। एक बार जब तेजी से बढ़ने वाले पेड़ किसी जगह पर हावी हो जाते हैं, तो तूफान, सूखा और कीड़े उस जंगल के बड़े हिस्से को एक साथ गिरा सकते हैं।

दरअसल, लकड़ी काटने, सड़क बनाने और आग लगने से खुली धूप वाली जगहें बन जाती हैं, जहां तेजी से बढ़ने वाले पेड़ बहुत जल्दी फैल जाते हैं। हल्की पत्तियों और मुलायम लकड़ी की वजह से ये पेड़ तेजी से बढ़ते हैं। सूखे या गर्मी की वजह से पानी की कमी होने पर भी ऐसे पेड़ों का बढ़ना जारी रहता है। इन पेड़ों में लकड़ी का घनत्व कम होता है, जिसकी वजह से इनके तने आसानी से टूट जाते हैं और जल्दी सूख जाते हैं। विषम परिस्थितियों में हल्की लकड़ी वाले पेड़ों के मरने की संभावना अधिक होती है। लंबे समय तक चलने वाले पेड़ धीरे–धीरे बढ़ते थे। मौसम खराब होने पर उनकी गहरी जड़ें और मजबूत तने जंगल को एक साथ बनाए रखते थे। घनी लकड़ी और मजबूत पत्तियों ने उन्हें सूखे और कीड़ों से बचने में मदद की।

हाल ही में आई एक रिपोर्ट ने ऐसे पेड़ों के टिकाऊपन को जलवायु सुरक्षा से जोड़ा है। इस तरह के पेड़ जंगल के पारिस्थितिकी तंत्र की रीढ़ हैं और स्थिरता और कार्बन भंडारण में योगदान देते हैं। जैसे–जैसे तूफान, कटाई और गर्मी से जंगलों पर दबाव बढ़ता है, पेड़ों की बाहरी प्रजातियां रोशनी, पानी और पोषक तत्वों के लिए मूल पौधों को घेर लेती हैं। यह दबाव दुर्लभ स्थानीय पेड़ों को खत्म होने के करीब ला सकता है। उष्णकटिबंधीय जंगलों में कई पेड़ों की प्रजातियां छोटे–छोटे इलाकों में मिलती हैं, इसलिए कुछ पेड़ों के खत्म होने से पूरा खाद्य चक्र तेजी से कम हो सकता है।

जंगल कार्बन सिंक का काम करते हैं, वे जितना कार्बन छोड़ते हैं उससे कहीं ज्यादा मात्रा में उसे हटाते हैं। धीरे–धीरे बढ़ने वाले घने पेड़ों ने दशकों तक तनों में कार्बन को बंद रखा, क्योंकि ठोस लकड़ी के हर इंच में ज्यादा पदार्थ समा सकता है। तेजी से बढ़ने वाले पेड़ अक्सर कम उम्र में मर जाते हैं। उनके तने हल्के होते हैं, इसलिए उनमें जमा कार्बन तूफान और क्षय से जल्दी हवा में वापस चला जाता है। इससे जंगल लंबे समय तक कार्बन जमा करने में कम असरदार हो जाते हैं। सही पेड़ों के बिना जंगल उन पक्षियों और स्तनपायी जीवों को खो सकते हैं जो बीज फैलाते हैं, जिससे तूफान या आग के बाद जंगल में फिरकवरी धीमी हो जाती है। जंगल के प्रबंधक अक्सर जल्दी फसल के लिए तेजी से बढ़ने वाले पेड़ों को पसंद करते हैं, लेकिन जब पौधों में धीमी गति से बढ़ने वाली प्रजातियां भी शामिल होती हैं, तो जंगल लंबे समय तक अपनी मजबूती बनाए रख सकते हैं। ज्यादा पेड़ चुनने से दुर्लभ आनुवांशिकी सुरक्षित रहती है और जब मौसम का तनाव बढ़ता है, यह जंगल में पुराने विकास वाले गुणों को बनाए रखती है।

एक अन्य अध्ययन में वैज्ञानिकों ने जंगलों की एक और भूमिका को उजागर किया है। अध्ययन में पाया गया कि वन की मिट्टी जलवायु परिवर्तन में जितना योगदान दे रही है, उसका हमें अंदाजा नहीं है। यह साल दर साल चुपचाप हवा से मीथेन को अवशोषित करती रहती है। दक्षिण–पश्चिम जर्मनी में लिए गए नए दीर्घकालिक मापों से पता चलता है कि कुछ वनों में यह भूमिगत मीथेन अवशोषण क्षमता कम होने के बजाय लगातार मजबूत होती जा रही है।

जर्मनी के गोटिंगेन विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने लगभग 25 वर्षों तक 13 वन भूखंडों में मीथेन के मूवमेंट का अध्ययन किया और पाया कि मिट्टी की मीथेन अवशोषण क्षमता में प्रति वर्ष लगभग 3 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यह निरंतर वृद्धि नम और शुष्क दोनों मौसमों और धीरे–धीरे बढ़ते तापमान के दौरान देखी गई। यह वृद्धि इस धारणा को चुनौती देती है कि जलवायु परिवर्तन से मिट्टी की मीथेन अवशोषण क्षमता में एक समान कमी आएगी।

नया अध्ययन इस बारे में भी नए सवाल खड़े करता है कि कुछ वन दूसरों की तुलना में तेजी से क्यों बेहतर हो रहे हैं। वनों के सूक्ष्मजीव मीथेन को अवशोषित करते हैं। कम वर्षा के कारण मिट्टी में वायु के लिए अधिक स्थान बचता है, जिससे मीथेन सतह के पास रहने के बजाय तेजी से नीचे की ओर जा सकती है। शुष्क मिट्टी में हवा से भरे छिद्र अधिक होते हैं जिससे मीथेन और ऑक्सीजन दोनों मिट्टी में आसानी से प्रवाहित हो जाते हैं। यह एक महत्वपूर्ण कारक है क्योंकि मीथेन का उपभोग करने वाले सूक्ष्मजीवों को कार्य करने के लिए ऑक्सीजन की आवश्यकता होती है।

जांचे गए भूखंडों में शोधकर्ताओं ने मीथेन के अधिक अवशोषण को मिट्टी की कम नमी और धीरे–धीरे बढ़ने वाले मिट्टी के तापमान से जोड़ा। मीथेनोट्रोफ्स नामक सूक्ष्मजीव मीथेन का ईंधन के रूप में उपयोग करते हैं। एक बार जब मीथेन ऊपरी मिट्टी तक पहुंच जाती है तो ये जीव विभिन्न प्रतिक्रियाओं के जरिए उसे कार्बन डाइऑक्साइड और पानी के रूप में विखंडित कर देते हैं। शोधकर्ताओं ने पाया कि अत्यधिक शुष्क परिस्थितियां सूक्ष्मजीवों की गतिविधि को दबा सकती हैं, जबकि लंबे समय तक गीली मिट्टी ऑक्सीजन के स्तर को कम कर देती है और मीथेन उत्पादक सूक्ष्मजीवों को हावी होने का अवसर देती है।

नासा के अनुसार मीथेन कार्बन डाइऑक्साइड की तुलना में अधिक ऊष्मा अवशोषित करती है, लेकिन यह केवल 7 से 12 वर्षों तक ही बनी रहती है। जब मिट्टी मीथेन को अवशोषित करती है, तो यह वायुमंडल में पहुंचने वाली मीथेन की मात्रा को कम कर देती है, जिससे आने वाले वर्षों में ग्लोबल वार्मिंग का दबाव कम हो जाता है। वन की मिट्टी को इस सेवा के लिए अक्सर श्रेय नहीं दिया जाता। अधिक मीथेन अवशोषण से समस्या का समाधान अपने आप नहीं हो जाएगा, लेकिन इससे उत्सर्जन में कटौती होने तक कुछ समय मिल सकता है।

–लेखक विज्ञान मामलों के जानकार हैं।

महापुरुषों की विरासत का होगा संरक्षण, सम्मान

–मृत्युंजय दीक्षित–

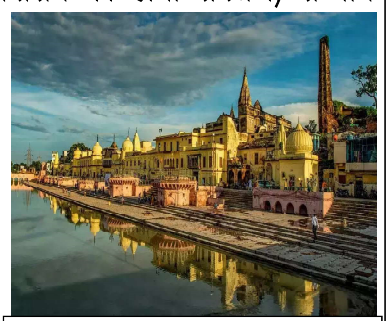

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घोषणा करी है कि बाबासाहब की हर प्रतिमा पर सरकार छतरी लगाएगी और वहां पर पार्कों का सौंदर्यीकरण कराया जाएगा। इसके साथ ही उन स्थानों पर बाउंड्री वाल का निर्माण भी कराया जाएगा। सरकार ने महापुरुषों, राष्ट्रीय स्तर के समाज सुधारकों और सांस्कृतिक विभूतियो की मूर्तियो की सुरक्षा और सुंदरीकरण के लिए भी बड़ा कदम उठाया है। इसके लिए आंबेडकर मूर्ति विकास योजना शुरू करने का निर्णय लिया गया है। इसके अंतर्गत प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में 10 स्मारकों का विकास कराया जायेगा। इसके अंतर्गत डॉ. भीमराव आंबेडकर के साथ संत रविदास, कबीर, ज्योतिबा फुले, महर्षि वाल्मीकि समेत सामाजिक न्याय के अन्य महापुरुषों के मूर्ति स्थलो का सुंदरीकरण होगा।

अयोध्या में श्री रामजन्मभूमि पर दिव्य व भव्य मंदिर निर्माण, काशी विश्वनाथ कारिडोर तथा मथुरा वृंदावन सहित प्रदेश भर के धार्मिक स्थलों का विकास, माफिया राज को मिट्टी में मिलाने, आर्थिक समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करने और रोजगार की दिशा में सफलतापूर्वक आगे बढ़ने के ठोस प्रमाणों के साथ भारतीय जनता पार्टी 2027 के चुनावों की ओर बढ़ रही है। पार्टी आगे बढ़ते हुए 2017 और 2022 के विधानसभा चुनावों में अपनाई गई रणनीति को भी साथ रखकर महापुरुषों, स्मारकों व प्रतीकों का सम्मान बढ़ाने के साथ ही दलितों, पिछड़ों तथा अतिपिछड़ों के मध्य अपनी जमीन मजबूत बनाने में जुट गई है। प्रदेश में 22 प्रतिशत दलित वोट के लिए राजनैतिक घमासान मचा हुआ है। सपा, बसपा व कांग्रेस में भी निहित राजनैतिक स्वार्थ के कारण दलित प्रेम का भाव उमड़ पड़ा है।

भाजपा स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घोषणा करी है कि बाबासाहब की हर प्रतिमा पर सरकार छतरी लगाएगी और वहां पर पार्कों का सौंदर्यीकरण कराया जाएगा। इसके साथ ही उन स्थानों पर बाउंड्री वाल का निर्माण भी कराया जाएगा। सरकार ने महापुरुषों, राष्ट्रीय स्तर के समाज सुधारकों और सांस्कृतिक विभूतियो की मूर्तियो की सुरक्षा और सुंदरीकरण के लिए भी बड़ा कदम उठाया है। इसके लिए आंबेडकर मूर्ति विकास योजना शुरू करने का निर्णय लिया गया है। इसके अंतर्गत प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में 10 स्मारकों का विकास कराया जायेगा। इसके अंतर्गत डॉ. भीमराव आंबेडकर के साथ संत रविदास, कबीर, ज्योतिबा फुले, महर्षि वाल्मीकि समेत सामाजिक न्याय के अन्य महापुरुषों के मूर्ति स्थलो का सुंदरीकरण होगा।

यह भारतीय जनता पार्टी की एक अभिनव योजना है। कम से कम 300 ऐसे महापुरुष हैं जिन पर कोई न कोई योजना आने वाली है। जब से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने डा. आंबेडकर की मूर्ति पर छत्र लगाने व चहारदीवारी तथा पार्कों के सौंदर्यीकरण की घोषणा की है तब से समाजवादी दल व अन्य दलित राजनीति करने वाले दलों के माथे पर बल आ गया है। प्रदेश के नए मेडिकल कालेजों व विश्वविद्यालयों के नामकरण भी महापुरुषों के नाम पर ही किये जा रहे हैं। अयोध्या में महर्षि वाल्मीकि व संत रविदास के मंदिर भी बनाए गए हैं।

सभी जातिवादी व संविधान की किताब हाथ में लेकर घूमने वाले विरोधी दल यह बात भूल जाते है कि भाजपा सरकार बाबासाहेब डा भीमराव आंबेडकर के विचारों और विरासत को सम्मान देने के लिए प्रतिबद्ध रही है। आज लोग जिन डा. आंबेडकर जी के नाम पर मात्र राजनीति करते हैं उन्हें भारतरत्न देने का काम 1990 में पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी बाजपेयी सरकार ने ही किया था। 2014 में केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व मे पूर्ण बहुमत की सरकार बनने के बाद बाबासाहेब के जीवन से जुड़े पांच स्थानों को विकसित किया गया जिसमें मध्य प्रदेश में उनके जन्मस्थान, शिक्षाभूमि लंदन, दीक्षाभूमि नागपुर और महापरिनिर्वाण (दिल्ली) तथा चौत्यभूमि मुंबई शामिल हैं । 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में मनाने की शुरुआत हुई ताकि उनके संवैधानिक योगदान को याद किया जा सके।

भाजपा सरकार ने ही 14 अप्रैल को राष्ट्रीय समरसता दिवस मनाने का निर्णय लिया और दिल्ली में डा. आंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र का उद्घाटन किया गया। भारतीय जनता पार्टी की सरकारों ने ही डा. आंबेडकर की विरासत को संजोकर उचित सम्मान दिया और अब उसी कार्य को और आगे बढ़ाने जा रही है।

यूपी में सपा और बसपा की सरकारों ने भी डॉ. आंबेडकर की विरासत को संरक्षित करने के लिए कोई कार्य नहीं किया बस जब चुनाव आता है तो इनको उनके कार्यों में से आरक्षण की ही याद आती है और उसी को आधार मानकर फर्जी अफवाहें उड़ाने लगते हैं कि भाजपा सरकार किसी न किसी बहाने आरक्षण को समाप्त कर देगी। विधानसभा चुनाव नजदीक आ रहे हैं इसलिए ये दल एक बार फिर डा. आंबेडकर और आरक्षण को याद कर रहे हैं और 22 प्रतिशत वोटों के लिए जयंती मनाने निकल पड़े हैं जबकि सच्चाई क्या है, सब जानते हैं।

बाबा साहेब : भारतीय संविधान और वर्तमान चुनौतियां

–प्रदीप कुमार वर्मा–

भारतीय संविधान के कुशल शिल्पकार, वंचित एवं दलितों के मसीहा, कुशल राजनीतिक एवं प्रखर समाजशास्त्री, एक समर्पित शिक्षक और श्रमजीवी पत्रकार और तत्कालीन भारतीय समाज के एक महान समाज सुधारक। एक जमाना था जब भारतीय समाज जाति एवं कुरीतियों के बंधनों में जकड़ा हुआ था और समाज के दलित और वंचित तबके को अच्छी नजरों से नहीं देखा जाता था। यही नहीं, इस 'तबके' की समाज में भागीदारी न के बराबर थी। और तब बाबा साहेब डा. भीमराव अंबेडकर ने ऐसे ही पिछड़े समाज में जन्म लिया और तत्कालीन भारतीय समाज को अपने कार्य एवं सिद्धांतों से एक नई दिशा दी। बाबा साहेब द्वारा किए गए संवैधानिक एवं सामाजिक सुधारो की मदद से आज वंचित और दलितों की आवाज न केवल सुनी जाती है,बल्कि इस तबके को समाज की मुख्य धारा में आने का अवसर भी मिला है। आज दलितों के मसीहा कहे जाने वाले उन्ही बाबा साहेब डा. भीमराव अंबेडकर की जन्म जयंती है।

भारतीय संविधान निर्माता के तौर पर देश और दुनिया में चर्चित बाबा साहेब डा. भीमराव अंबेडकर का जन्म 14 अप्रैल 1891 को मध्य प्रदेश के महू में हुआ था। बाबा साहेब अंबेडकर के पिता सूबेदार रामजी मालोजी सकपाल तथा उनकी माता का नाम भीम बाई था। डा. अंबेडकर जब लगभग दो वर्ष के थे,जब उनके पिता नौकरी से सेवानिवृत्त हो गए थे। जब वह केवल छह वर्ष के थे तब उसकी मां का निधन हो गया था। बाबासाहेब ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा मुंबई में प्राप्त की। अपनी स्कूली शिक्षा के दौरान वह अस्पृश्यता के अभिशाप से पीड़ित हुए तथा उन्हें अछूत होने का अहसास भी हो गया। डा. अंबेडकर अपनी स्कूली शिक्षा सतारा में ही पूरी की तथा बाद में वह मुंबई चले गए। डा. अंबेडकर ने अपनी स्नातक की पढ़ाई एल्फिंस्टन कॉलेज आज के मुंबई तथा तत्कालीन बॉम्बे से की,जिसके लिए उन्हें बड़ौदा के महामहिम सयाजीराव गायकवाड़ से छात्रवृत्ति प्राप्त हुई थी।

इसी क्रम में वर्ष 1913 में डा. अंबेडकर को उच्च अध्ययन के लिए अमेरिका जाने वाले एक विद्वान के रूप में चुना गया। यह उनके शैक्षिक जीवन का एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ। उन्होंने कोलंबिया विश्वविद्यालय से 1915 और 1916 में एमए और पीएचडी की डिग्री प्राप्त की। इसके बाद वह आगे की पढ़ाई करने के लिए लंदन गए। बाद में उन्होंने बार–एट–लॉ और डीएससी की डिग्री भी प्राप्त की। वर्ष 1924 में इंग्लैंड से वापस लौटने के बाद उन्होंने दलित लोगों के कल्याण के लिए एक एसोसिएशन की शुरुआत की, जिसमें सर चिमनलाल सीतलवाड़ अध्यक्ष और डा. अम्बेडकर चेयरमैन थे। एसोसिएशन का तत्काल उद्देश्य शिक्षा का प्रसार करना, आर्थिक स्थितियों में सुधार करना और दलित वर्गों की शिकायतों का प्रतिनिधित्व करना था। उन्होंने नए सुधार को ध्यान में रखते हुए दलित वर्गों की समस्याओं को संबोधित करने के लिए 03 अप्रैल, 1927 को 'बहिष्कृत भारत' समाचारपत्र की भी शुरुआत की।

इसी दौरान 13 अक्टूबर 1935 को दलित वर्गों का एक प्रांतीय सम्मेलन नासिक जिले में येवला में आयोजित किया गया। इस सम्मेलन में उनकी घोषणा से हिंदुओं को गहरा सदमा लगा। तब उन्होंने कहा, "मैं हिंदू धर्म में पैदा हुआ लेकिन मैं एक हिंदू के रूप में नहीं मरूंगा" । उनके हजारों अनुयायियों ने उनके इस फैसले का समर्थन किया। वर्ष 1936 में उन्होंने बॉम्बे प्रेसीडेंसी महार सम्मेलन को संबोधित किया और हिंदू धर्म का त्याग करने की वकालत की। इसके बाद 15 अगस्त 1936 को उन्होंने दलित वर्गों के हितों की रक्षा करने के लिए "स्वतंत्र लेबर पार्टी" का गठन किया, जिसमें ज्यादातर श्रमिक वर्ग के लोग शामिल थे। वर्ष 1938 में जब कांग्रेस ने अछूतों के नाम में बदलाव करने वाला एक विधेयक प्रस्तुत किया। तब डा. अंबेडकर ने इसकी आलोचना की। उनका दृष्टिकोण था कि महज नाम बदलने से समस्या का समाधान नहीं हो सकता है। वर्ष1942 में वह भारत के गवर्नर जनरल की कार्यकारी परिषद में एक श्रम सदस्य के रूप में नियुक्त हुए।

इसके बाद 1946 में उन्हें बंगाल से संविधान सभा के लिए चुना गया। उसी समय उन्होंने अपनी पुस्तक प्रकाशित की, "शूद्र कौन थे?आजादी के बाद वर्ष 1947 में उन्हें देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के पहले मंत्रिमंडल में कानून एवं न्याय मंत्री के रूप में नियुक्त किया गया लेकिन 1951 में उन्होंने कश्मीर मुद्दे, भारत की विदेश नीति और हिंदू कोड बिल के प्रति प्रधानमंत्री नेहरू की नीति पर अपना मतभेद प्रकट करते हुए मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। डा. अंबेडकर को उस्मानिया विश्वविद्यालय ने 12 जनवरी 1953 को डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित किया।आखिरकार 21 वर्षों के बाद, उन्होंने सच साबित कर दिया, जो उन्होंने 1935 में येओला में कहा था कि "मैं हिंदू के रूप में नहीं मरूंगा"। 14 अक्टूबर 1956 को, उन्होंने नागपुर में एक ऐतिहासिक समारोह में बौद्ध धर्म अपना लिया और 06 दिसंबर 1956 को उनकी मृत्यु हो गई।

भारतीय संविधान के जनक के रूप में संविधान सभा की मसौदा समिति के अध्यक्ष के रूप में उन्होंने एक समावेशी संविधान तैयार किया जो सभी नागरिकों को न्याय, स्वतंत्रता और समानता की गारंटी देता है। उन्होंने छुआछूत के खिलाफ आवाज उठाई और संविधान के अनुच्छेद 17 के तहत इसे समाप्त किया। उन्होंने अनुसूचित जातियों, जनजातियों और पिछड़ों के लिए आरक्षण के माध्यम से सामाजिक–राजनीतिक भागीदारी सुनिश्चित की। यही नहीं, उन्होंने हिंदू कोड बिल के माध्यम से महिलाओं को संपत्ति, तलाक और गोद लेने का अधिकार दिलाने का प्रयास किया, जिससे महिलाओं को समानता मिले। देश के प्रथम श्रम मंत्री के रूप में उन्होंने कामकाज को 8 घंटे तक सीमित किया। इसके साथ ही समान काम के लिए समान वेतन, महिला श्रम कल्याण और कर्मचारी राज्य बीमा जैसे सुधार लागू किए। बाबा साहेब ने दलितों को शिक्षित, संगठित और संघर्ष करने का भी संदेश दिया। यही वजह है कि बाबा साहब आज तक वंचित और पिछड़ों से लेकर आमजन की स्मृतियों में जीवंत हैं।

अग्निशमन सेवा स्मृति दिवस पर शहीदों को श्रद्धांजलिः फायर सेफ्टी सप्ताह के तहत जागरूकता अभियान चलाया गया

संवाददाता–श्रावस्ती। अग्निशमन सेवा स्मृति दिवस मनाया गया। इस अवसर पर फायर सर्विस मुख्यालय भिनगा में अग्निशमन अधिकारी संजय शर्मा के नेतृत्व में शहीद अग्निशमन कर्मियों को श्रद्धांजलि दी गई। 14 से 20 अप्रैल 2026 तक चलने वाले अग्निशमन सुरक्षा सप्ताह के तहत जिले में जागरूकता कार्यक्रम भी शुरू किए गए हैं।

वर्ष 2026 की थीम सेफ स्कूल, सेफ हॉस्पिटल एंड फायर सेफ्टी अवेयर सोसाइटी – टुगेदर फॉर फायर प्रिवेंशन है। इसी क्रम में भिनगा कस्बे और ग्रामीण क्षेत्रों में अग्निशमन टीम ने जागरूकता रैली निकाली। इस दौरान लाउड हेलर और पंपलेट के जरिए लोगों को आग से बचाव और सुरक्षा के उपायों के बारे में जानकारी दी गई।

अग्निशमन टीम ने विभिन्न स्थानों पर लोगों को आग लगने की स्थिति में बरती जाने वाली सावधानियों, प्राथमिक उपचार और तत्काल सूचना देने के तरीकों के बारे में बताया। अधिकारियों और कर्मचारियों को पिन फ्लैग भी लगाए गए।

अग्निशमन अधिकारी ने 14 अप्रैल 1944 को मुंबई बंदरगाह पर हुए फोर्ट स्टिकेन नामक मालवाहक जहाज में भीषण अग्निकांड का विस्तृत विवरण दिया। उन्होंने बताया कि इस जहाज में रुई की गांठों के साथ–साथ भारी मात्रा में विस्फोटक और युद्ध सामग्री भरी हुई थी। आग लगने के बाद स्थिति गंभीर हो गई और आग बुझाने के प्रयासों के दौरान जहाज में जोरदार विस्फोट हुआ।

इस दुर्घटना में 66 बहादुर अग्निशमन कर्मी कर्तव्य निभाते हुए शहीद हो गए थे। इन वीर कर्मियों के अदम्य साहस, कर्तव्यनिष्ठा और बलिदान को श्रद्धांजलि देने तथा आमजन को अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से हर साल 14 अप्रैल को ष्अग्निशमन सेवा स्मृति दिवसष मनाया जाता है।

इस अवसर पर आमजन से अपील की गई कि वे अपने घरों, प्रतिष्ठानों और सार्वजनिक स्थानों पर अग्नि सुरक्षा के उपायों को अपनाएं। किसी भी आपात स्थिति में तत्काल अग्निशमन सेवा को सूचित करने का भी आग्रह किया गया।

अंबेडकर जयंती पर बसपा कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने लिया हिस्सा, गूंजे जय भीम के नारे

संवाददाता–कुशीनगर। मोतीचक विकासखंड अंतर्गत बनकटा में डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर एक झांकी जुलूस का आयोजन किया गया, जिसमें बहुजन समाज पार्टी के कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने बड़ी संख्या में हिस्सा लिया। यह जुलूस बनकटा गांव से शुरू होकर क्षेत्र के विभिन्न मार्गों से गुजरा। इस दौरान जय भीम और बाबा साहेब अमर रहें के नारों से पूरा वातावरण गूंज उठा। झांकी में डॉ. अंबेडकर के जीवन से जुड़े विभिन्न प्रसंगों और उनके सामाजिक योगदान को दर्शाया गया, जिसे देखने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने डॉ. अंबेडकर के विचारों और उनके संघर्षों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि डॉ. अंबेडकर ने समाज में समानता, शिक्षा और अधिकारों के लिए आजीवन संघर्ष किया। वक्ताओं ने उनके बताए मार्ग पर चलकर ही समाज के समग्र विकास की बात कही। जुलूस के दौरान सुरक्षा व्यवस्था चाक–चौबंद रही। स्थानीय प्रशासन की निगरानी में यह कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। अंत में सभी उपस्थित लोगों ने डॉ. अंबेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके आदर्शों को अपनाने का संकल्प लिया।

शादी के बाद भी पीछा नहीं छोड़ रहा था आशिक महिला ने पति के साथ मिलकर मार डाला

संवाददाता–बलरामपुर। एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। जहां महराजगंज तराई क्षेत्र में सड़क दुर्घटना बताई जा रही दो युवकों की मौत का मामला हत्या में बदल गया। पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि यह हादसा नहीं बल्कि सुनियोजित साजिश के तहत की गई हत्या थी। मृतक दीपचंद उर्फ छोटू का आरोपी महिला खुशबू वर्मा से शादी से पहले प्रेम संबंध था, जो शादी के बाद भी जारी रहा। इसी बात को लेकर घर में तनाव रहता था और मृतक द्वारा पुरानी तस्वीरों के जरिए दबाव बनाने से परेशान होकर महिला ने पति और परिजनों के साथ मिलकर हत्या की योजना बनाई। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने दीपचंद और उसके दोस्त मनोज को गांव के बाहर बुलाया और वहीं दोनों की हत्या कर दी। इसके बाद शवों को मोटरसाइकिल पर रखकर लौकहवा के सेवरहवा नाले के पास फेंक दिया गया। साथ ही मृतकों की बाइक भी वहीं छोड़ दी गई, ताकि मामला सड़क दुर्घटना लगे। शुरुआती सूचना पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ दुर्घटना का केस दर्ज किया था, लेकिन साक्ष्यों और सीडीआर विश्लेषण से सच्चाई सामने आ गई।

घटना स्थल से मृतक के मोबाइल का टूटा हिस्सा, आरोपी महिला की माला और एक मोटरसाइकिल बरामद की गई है। पुलिस ने इस मामले में अनिल कुमार, खुशबू वर्मा, अजय कुमार वर्मा और संतोष कुमार को गिरफ्तार कर लिया है। साक्ष्यों के आधार पर धाराओं में संशोधन करते हुए हत्या समेत अन्य गंभीर धाराएं जोड़ी गई हैं। सभी आरोपियों को न्यायालय भेज दिया गया है।

पुलिस अधीक्षक विकास कुमार के निर्देश पर अपर पुलिस अधीक्षक विशाल पाण्डेय और क्षेत्राधिकारी के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमार तिवारी के नेतृत्व में पुलिस व सर्विलांस टीम ने मामले का खुलासा किया। त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर घटना का पर्दाफाश किया।

आंबेडकर जयंतीः दीवानी न्यायालय सहित कई कॉलेजों में मनाई गयी आंबेडकर जयंती

संवाददाता–महाराजगंज। डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती फरेंदा, महाराजगंज में धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर दीवानी न्यायालय सहित विभिन्न महाविद्यालयों में कार्यक्रम आयोजित किए गए। दीवानी न्यायालय में आयोजित कार्यक्रम में सिविल कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रेम कुमार सिंह और मंत्री अजित मणि त्रिपाठी ने बाबा साहब के चित्र पर माल्यार्पण किया। इस दौरान अधिवक्ता अनिल पासवान, शंभू यादव, अनिल मौर्य, प्रदीप मौर्य, उमाकांत यादव, ओंमकार नाथ मौर्य, मृदुल प्रकाश यादव, संग्राम प्रसाद और सर्वेश राय सहित कई अधिवक्ता मौजूद रहे। परमेश्वर सिंह मेमोरियल पीजी कॉलेज में भी जयंती समारोह का आयोजन किया गया। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अशोक भारतीय ने डॉ. आंबेडकर को राष्ट्र निर्माता बताते हुए कहा कि उन्होंने अपना पूरा जीवन दलितों, वंचितों और महिलाओं को समाज की मुख्यधारा में लाने के लिए संघर्ष किया। इस अवसर पर अरुण सिंह, मुरलीधर जायसवाल, डॉ. कृष्ण कुमार, केपी सिंह, सतीश कुमार और जमुना निषाद उपस्थित रहे। इसी क्रम में झिनकी देवी पीजी कॉलेज में भी डॉ. आंबेडकर जयंती मनाई गई। कॉलेज के प्रबंधक डॉ. फूलचंद यादव और प्राचार्य दीपक साहनी ने डॉ. आंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण किया। प्रबंधक डॉ. फूलचंद यादव ने अपने संबोधन में कहा कि डॉ. आंबेडकर ने भारतीय सम्मान के उत्थान और जातिगत विषमता को दूर करने के लिए आजीवन प्रयास किए। इस कार्यक्रम में प्रवक्ता राजेश कुमार, हृदेश यादव, मनोहर, बुधिराम, नीतू, अंजू, मंजू और ज्योति निषाद सहित अन्य लोग मौजूद थे।

बृजभूषण ने किया मजदूरों के आंदोलन का समर्थन, बोले–कम पैसे में गुजारा मुश्किल

संवाददाता–गोण्डा। कैसरगंज के पूर्व बीजेपी सांसद और कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह ने मजदूरों के मुद्दे पर बेबाकी से अपनी राय रखी। पत्रकारों के सवाल के जवाब में उन्होंने नोएडा में प्रदर्शन कर रहे मजदूरों का समर्थन किया। बोले, मजदूरों की मजदूरी कम है। गांव छोड़कर जाने वाले मजदूरों का इतने पैसे में गुजारा नहीं हो पाता है। कमरा, भोजन और इलाज के लिए मजदूरी भी कम है। इनकी मजबूरी का फायदा उठाया जा रहा है। इनकी मजदूरी सम्मानजनक नहीं है। इतने में आदमी जी भी नहीं सकता है। वहीं अपनी बेटी शालिनी सिंह के नोएडा से चुनाव लड़ने पर भी पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने अपनी बात रखी। इससे पहले बृज भूषण शरण सिंह ने नंदिनीनगर महाविद्यालय में 15 दिवसीय व्यक्तित्व विकास एवं शारीरिक प्रशिक्षण शिविर का समापन किया। इस मौके पर थारू समाज के लड़के और लड़कियों ने सांस्कृतिक एवं योग से जुड़ी प्रस्तुतियां दीं। नंदिनीनगर मिनी स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में बृजभूषण ने कहा कि आज देश की नदियां गंदी है। आज नदियां में नहाने लायक नहीं है। पहले लोग तैराकी किया करते थे। गांव के लोग भी तैराकी करते थे। हमने भी तालाबों में तैरना सीखा है। आज नदियां गंदी है इस वजह से नहीं होती तैराकी, नदियों में तैरना संभव नहीं है। तैराकी हमें संतुलन बनाना सिखाती है।

पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह में अपनी बेटी शालिनी सिंह के नोएडा से चुनाव लड़ने की चर्चाओं को खारिज किया। उन्होंने कहा कि यह बात गलत है, ये आप लोग कह रहे हैं। बृजभूषण ने मीडिया पर ही शालिनी को लेकर अफवाह फैलाने का आरोप लगाया। वहीं, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बयान का समर्थन करते हुए बृजभूषण ने कहा कि वह हमेशा जिम्मेदारी के साथ बोलते हैं। उन्होंने कहा है तो पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार बनेगी।

आपको बता दें कि नोएडा में हुए बवाल के बाद योगी सरकार ने श्रमिकों के हित में बड़ा फैसला लिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर गठित हाई पावर कमेटी की सिफारिश पर सरकार ने न्यूनतम मजदूरी में अंतरिम वृद्धि का ऐलान किया है। इसे तीन श्रेणियों में बांटा गया है। नोएडा–गाजियाबाद, नगर निगमों वाले शहरों और प्रदेश के अन्य जिलों के लिए बढ़ी हुई अंतरिम दरें तय कर दी गई हैं। इससे कम सैलरी कंपनियां नहीं दे सकेंगी। इन्हें एक अप्रैल से प्रभावी माना जाएगा।

गेहूं काटने की मशीन से टकराई बाइक, 2 की मौत

संवाददाता–कुशीनगर। सोमवार रात 11 बजे सड़क किनारे खड़ी कंबाइन (गेंहू काटने की मशीन) से बाइक टकरा गई। हादसे में दो युवकों की मौत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी की एक युवक का सिर 2 टुकड़ों में बंट गया। दूसरे का हाथ कटकर दूर गिरा। एक आंख निकलकर बाहर आ गई। सड़क पर कुछ दूरी तक शव के चिथड़े बिखर गए। सूचना मिलने पर नेबुआ नौरंगिया थाने की पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए मेडिकल कॉलेज रविंद्रनगर धूस भेज दिया। हादसे के कारणों की जांच कर रही है। पुलिस ने बताया– रायपुर खास निवासी सूरज उर्फ बेचू शर्मा (24) और साहिल शर्मा (18) क्रांति चौराहा से घुघुली की ओर जा रहे थे। नोनिया पट्टी के पास सड़क किनारे खड़े गेहूं काटने वाले कंबाइन से उनकी बाइक टकरा गई। हादसे के बाद दोनों की पहचान करना भी मुश्किल हो गया। हादसा नेबुआ नौरंगिया थाना क्षेत्र का है।

हादसा जिला मुख्यालय से करीब 40 किलोमीटर दूर नोनिया पट्टी में हुआ। पुलिस के मुताबिक, सूरज उर्फ बेचू कारपेंटर का काम करता था। कुछ दिन पहले ही हैदराबाद से आया था। अपने दोस्त साहिल के साथ लंगड़ी गांव में कार्यक्रम में खाना खाने गए थे। लौटते समय यह हादसा हो गया। सूरज परिवार का बड़ा बेटा था। उस पर परिवार की जिम्मेदारी थी। उसकी शादी पिछले साल 20 अप्रैल को हुई थी। अभी कोई संतान नहीं थी। सूरज के परिवार में एक छोटा भाई है जो कि अविवाहित है। बड़ी बहन की शादी हो चुकी है। मृतक साहिल दो भाइयों में छोटा था।

कस्तूरबा विद्यालय में जहरीले जीव के काटने से छात्रा की मौत

संवाददाता–महराजगंज। फरेंदा क्षेत्र के कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय खजुरिया में सोमवार की रात एक दर्दनाक घटना हो गई। किसी जहरीले जीव के काटने से एक छात्रा की मौत हो गई। घटना के बाद विद्यालय परिसर में अफरा–तफरी मच गई। वहीं पूरे क्षेत्र में शोक और दहशत का माहौल व्याप्त हो गया है। मृत छात्रा की पहचान कल्याणी (14) के रूप में हुई है। वह पुरन्दरपुर थाना क्षेत्र की निवासी बताई जा रही है। रात में ही डीएम, एसपी व सीडीओ ने मौके का निरीक्षण कर जानकारी ली।

बताया जा रहा है कि विद्यालय में पढ़ने वाली कल्याणी परिसर में लगे हैंडपंप से पानी भर रही थी। इसी दौरान अचानक किसी विषैले जीव ने उसकी पैर की उंगली में काट लिया। शुरुआत में उसे मामूली परेशानी महसूस हुई, लेकिन कुछ ही देर में उसकी हालत तेजी से बिगड़ने लगी। उसे चक्कर आने लगे और गला सूखने की शिकायत होने लगी, जिससे स्थिति गंभीर हो गई। छात्रा की हालत बिगड़ती देख विद्यालय प्रशासन में हड़कंप मच गया। आनन–फानन में विद्यालय स्टाफ द्वारा उसे जिला संयुक्त अस्पताल महराजगंज पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा एवं पुलिस अधीक्षक शक्ति मोहन अवस्थी मौके पर पहुंचे। दोनों अधिकारियों ने विद्यालय परिसर का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने घटना के संबंध में जानकारी ली तथा सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इसके बाद वे जिला अस्पताल पहुंचे, जहां डॉक्टरों से बातचीत कर पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली ।

प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा–निर्देश जारी किए हैं। साथ ही विद्यालय परिसर में साफ–सफाई, कीटनाशक छिड़काव और सुरक्षा के अतिरिक्त इंतजाम करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। घटना के बाद विद्यालय परिसर में शोक की लहर दौड़ गई है। छात्राओं और शिक्षकों में भय का माहौल है। मृत छात्रा के परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। इस संबंध में फरेन्दा थाना प्रभारी योगेन्द्र राय ने बताया की बालिका कल्याणी का शव पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद स्थिति स्पष्ट होगी।

जयंती पर बलरामपुर हुआ नीलाः सरकारी दफ्तरों से लेकर सड़कों तक दिखी सजावट

संवाददाता–बलरामपुर। भारत रत्न और संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर जनपद के सभी सरकारी, अर्द्धसरकारी कार्यालयों, विद्यालयों और संस्थानों में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। कलेक्ट्रेट सभागार में एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) ज्योति राय और अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) शिव नारायण सिंह ने डॉ. अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। गोष्ठी में वक्ताओं ने डॉ. अंबेडकर द्वारा निर्मित संविधान के महत्व पर प्रकाश डाला, जो देश के हर नागरिक को समान अधिकार, न्याय और सम्मान सुनिश्चित करता है। कार्यक्रम के समापन पर उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों ने उनके आदर्शों, लोकतांत्रिक मूल्यों और सामाजिक समरसता को जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। जिले भर में अंबेडकर जयंती के अवसर पर सार्वजनिक कार्यक्रम भी आयोजित हुए। फुलवरिया बायपास से एक विशाल जुलूस निकाला गया, जिसमें सैकड़ों लोग शामिल हुए। इस जुलूस में ई–रिक्शा, डीजे, सुसज्जित रथ और महापुरुषों के चित्रों वाली झांकियां शामिल थीं। विभिन्न मंडलियों ने अपने करतब और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। जिले के विभिन्न स्थानों से निकले जुलूस भगवतीगंज चौराहे पर एकत्रित हुए। इसके बाद ये जुलूस पूरे नगर का भ्रमण करते हुए अंबेडकर स्थल पहुंचे। यहां लोगों ने बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया, दीपदान किया और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। आयोजन के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। पुलिस बल की तैनाती के कारण कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

आंबेडकर जयंती पर टेंट लगाते समय करंट की चपेट में आया युवक, गंभीर झुलसा

संवाददाता–देवरिया। देवरिया जिले के सलेमपुर कोतवाली क्षेत्र के अहिरौली लाला गांव में मंगलवार दोपहर को आंबेडकर जयंती कार्यक्रम की तैयारियों के दौरान एक युवक करंट की चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस गया। युवक का इलाज सीएचसी सलेमपुर पर चल रहा है।कोतवाली क्षेत्र के अहिरौली लाला गांव निवासी शेषनाथ कुमार (22) पुत्र परमेश्वर प्रसाद मंगलवार को दोपहर में गांव में आयोजित आंबेडकर जयंती कार्यक्रम के लिए टेंट लगा रहे थे। इसी दौरान टेंट का पाइप लगाते समय ऊपर से गुजर रही 11 हजार वोल्टेज की हाईटेंशन लाइन के संपर्क में आ गए, जिससे उन्हें जोरदार करंट लग गया। करंट लगने से युवक झुलसकर नीचे गिर पड़ा। घटना के बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई। आसपास के लोगों ने तत्परता दिखाते हुए घायल युवक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सलेमपुर पहुंचाया, जहां डॉक्टर द्वारा उसका उपचार किया जा रहा है।

बारात जा रहे 3 दोस्तों की मौतः 100 की स्पीड में बाइक रोडवेज बस में घुसी, उछलकर 10 फीट दूर गिरी

संवाददाता–महराजगंज। तीन दोस्तों की सड़क हादसे में मौत हो गई। तीनों तेज रफ्तार बाइक से अपने दोस्त की बारात जा रहे थे। तभी सामने से आ रही रोडवेज बस में जा घुसे। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक उछलकर 10 फीट दूर गिरी। तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। सड़क पर लाशें बिखर गईं। हादसा एक पेट्रोल पंप पर लगे सीसीटीवी में कैद हो गया।

आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने तीनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। हादसे के बाद आरोपी बस चालक मौके से फरार हो गया। हालांकि, पुलिस ने बस चालक को ट्रेस कर हिरासत में ले लिया है। उससे पूछताछ की जा रही है। मामला सिसवा थाना क्षेत्र के सिसवा–निचलौल मार्ग का है। इस बीच, मंगलवार को हादसे का सीसीटीवी सामने आया। इसमें दिख रहा है कि एक बाइक पर सवार तीनों युवक लगभग 100 की स्पीड में कुशीनगर की ओर जा रहे थे। तभी सामने से आ रही रोजवेड बस बाईं ओर पेट्रोल पंप मुड़ने लगती है। बाइक, बस में जा घुसती है। उसके परखच्चे उड़ जाते हैं। तीनों सड़क पर गिर पड़ते हैं। मौके पर खून ही खून फैल जाता है।

सोनबरसा के रहने वाले साहिल निषाद (18), किसन साहनी (19) और टेढ़वा का रहने वाला अमरीश साहनी (23) बचपन के दोस्त थे। किशन मुम्बई में पेंटिंग, साहिल पंजाब में सिलाई और अमरेश हैदराबाद में लोहा फैक्ट्री में काम करता था। तीनों पिछले महीने ही लंबी छुट्घ्टी लेकर घर आए थे। अप्रैल के अंत में अपने अपने काम पर वापस जाने वाले थे। सोमवार को तीनों एक दोस्त की शादी में शामिल होने के लिए एक ही बाइक से कुशीनगर जा रहे थे। बाइक सिसवा नगर पालिका के डीडीयू नगर के चिरैयाकोट पेट्रोल पंप के पास पहुंची ही थी कि सामने से आ रही रोडवेज बस पेट्रोल पंप की ओर मुड़ने लगी। जैसे ही बस मुड़ी स्पीड ज्यादा होने की वजह से बाइक कंट्रोल नहीं हुई और बस में सामने से टकरा गई। किशन के परिवार में माता–पिता, दो छोटी बहनें और एक छोटा भाई है। साहिल के परिवार में माता–पिता, दादा–दादी, एक छोटी बहन और एक छोटा भाई है। अमरेश के परिवार में माता–पिता के साथ एक छोटा भाई और एक छोटी बहन है।

पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त बस को कब्जे में लेते हुए ड्राइवर लल्लन को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। कोठीभार थाना प्रभारी धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। बस चालक को हिरासत में लेकर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

बैसाखी पर्व पर खालसा पंथ स्थापना दिवस मना, गुरुद्वारे में कीर्तन दरबार सजा

संवाददाता–बहराइच। गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा पीपल चौराहा में सिखों का पवित्र त्यौहार बैसाखी श्रद्धा और धूमधाम से मनाया गया। इस पर्व को खालसा साजना दिवस के रूप में भी जाना जाता है। सुबह से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु गुरुद्वारे में माथा टेकने पहुंचने लगे। हेडग्रंथी ज्ञानी विक्रम सिंह ने बताया कि जब मुगल शासक औरंगजेब ने जुल्म, अन्याय और अत्याचार की सभी सीमाएं लांघ दीं और श्री गुरु तेग बहादुर जी को दिल्ली के चांदनी चौक पर शहीद कर दिया, तब गुरु गोविंद सिंह ने अपने अनुयायियों को संगठित कर खालसा पंथ की स्थापना की। खालसा पंथ का लक्ष्य धर्म और नेकी के आदर्शों के लिए सदैव तत्पर रहना था। दशमेश पिता ने समाज द्वारा तुच्छ समझे जाने वाले लोगों को अमृत छकाकर सिंह बनाया। इस प्रकार, 13 अप्रैल, 1699 को श्री केसगढ़ साहिब आनंदपुर में दसवें गुरु गोविंद सिंह ने खालसा पंथ की स्थापना कर अत्याचार का अंत किया। उन्होंने सभी जातियों के लोगों को एक ही अमृत पात्र (बाटे) से अमृत चखाया और पांच प्यारे सजाए। ये पांच प्यारे किसी एक जाति या स्थान के नहीं थे, बल्कि अलग–अलग जाति, कुल और स्थानों से संबंधित थे, जिन्हें खंडे बाटे का अमृत चखाकर उनके नाम के साथ शसिंहश की उपाधि दी गई। कार्यक्रम के दौरान पाउंटा साहिब से आए रागी अमनप्रीत सिंह और हजूरी रागी फतेह सिंह ने अपने शब्द कीर्तन से साध–संगत को निहाल किया। हेडग्रंथी ज्ञानी विक्रम सिंह ने सरबत के भले की अरदास की, जिसके उपरांत गुरु का अटूट लंगर चला। इस अवसर पर मंदीप वालिया, मनजीत सिंह शम्पी, भूपेंद्र सिंह वालिया, देवेंद्र सिंह बेदी, परमजीत सिंह, सुरेंद्र सिंह, जगजीत सिंह, संतोष सिंह तोषी, भूपेंद्र सिंह काले, जसबीर सिंह, इंदर पाल सिंह, सतिंदर पाल सिंह, परविंदर सिंह सम्मी, आत्मजीत सिंह, पवनप्रीत सिंह, जसपाल सिंह, डॉ. बलमीत कौर, दशमिन्दर सिंह, जसप्रीत कौर, हरप्रीत कौर, बलजीत कौर, गुरबख्श कौर, हरजीत कौर सहित जिले भर से आए सैकड़ों श्रद्धालुओं ने गुरुघर में माथा टेका।

चीख पड़ी ट्यूबवेल पर पानी भरने गई महिला, टंकी में पड़ी थी युवक की लाश

संवाददाता–गोरखपुर। मंगलवार की सुबह–सुबह उस वक्त हड़कंप मच गया जब ट्यूबवेल पर पानी भरने गई एक महिला ने वहां एक युवक की लाश देखी। यह ट्यूबवेल सरकारी है जिसकी पानी की टंकी में युवक की लाश पड़ी थी। लाश पर नजर पड़ते ही महिला चीख पड़ी। उनकी आवाज सुनकर जुटे गांववालों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना पाते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने युवक के शव को टंकी से बाहर निकलवाया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच–पड़ताल में जुटी है। लाश की शिनाख्त हो गई है। झंगहा थाना क्षेत्र के जंगलरसुलपुर नंबर दो की है। मरने वाले की उम्र 22 साल थी। वह भी ग्राम पंचायत जंगलरसुलपुर नंबर दो बलुघट्टा के ही रहने वाले थे। उनका नाम निकेश बताया जा रहा है। निकेश के पिता का नाम बाजीराव है। मिली जानकारी के अनुसार निकेश मजदूरी करके अपनी आजीविका चलाते थे। वह दो भाइयों में छोटे थे। उनके बड़े भाई राकेश भी मजदूरी करके अपना और परिवार का भरण–पोषण करते हैं। निकेश की लाश ट्यूबवेल में मिलने की सूचना उनके परिवार तक पहुंची तो सब हैरान रह गए। परिवार की महिलाएं जोर–जोर से रोने लगीं। निकेश के आसपास के घरों में भी मातम पसर गया। हर कोई निकेश की मौत को लेकर हैरान है। गांववालों का कहना है कि घटना की सच्चाई जल्द से जल्द सामने आनी चाहिए।

निकेश के परिवारीजनों ने उसकी हत्या की आशंका जताई है। परिवार वालों का कहना है कि निकेश का किसी बात को लेकर कुछ लोगों से विवाद चल रहा था। उस विवाद में निकेश पर लगातार दबाव बनाया जा रहा था कि मामले में सुलह कर लें। उधर गांव में इस घटना को लेकर तरह–तरह की चर्चाएं हो रही हैं। अलग–अलग तरह की आशंकाएं जताते हुए लोग कह रहे हैं कि इस मामले की गहनता से जांच होनी चाहिए और दोषियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाना चाहिए। 22 साल के एक युवक की यूं जान जाने से गांव के लोग गमजदा हैं।

इस मामले में पुलिस को प्रारंभिक जांच में कई चीजें संदिग्ध लग रही हैं। पुलिस का कहना है कि घटना के सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से युवक की मौत का कारण स्पष्ट हो जाएगा। उम्मीद है कि इससे मामले की जांच में काफी मदद मिलेगी। युवक की मौत की वजह से पुलिस के हाथ कोई न कोई सुराग लग सकता है।

विश्व स्तर के समाज सुधारक थे बाबा साहेब

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
कुदरहा (बस्ती)। कुदरहा ब्लाक के पिपरपाती मुस्तहकम बौद्ध विहार में हृदयराम व मनीराम बौद्ध के नेतृत्व में डा भीमराव अम्बेडकर जयंती धूम धाम से मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महादेवा विधायक दूधराम, ब्लाक प्रमुख अनिल दुबे व खंड विकास अधिकारी आलोक कुमार पंकज ने बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया।

विधायक दूधराम ने कहा कि बाबा साहब सिर्फ एक संविधान निर्माता नहीं, अपितु विश्व स्तर के समाज सुधारक थे। उन्होंने समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को सम्मान से जीने और बोलने का हक दिलाया। शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो का मूलमंत्र आज भी प्रासंगिक है।

ब्लाक प्रमुख अनिल दुबे ने बताया कि बाबा साहेब को अंग्रेज चलता फिरता विश्वविद्यालय कहते थे। ये सभी विषयों के ज्ञाता थे। बाबा अपने लिये घर नहीं बनवाये बल्कि पुस्तक रखने के लिये पुस्तकालय का निर्माण करवाये थे। बाबा साहब के मृत्यु के बाद जब उनका आवास खोला गया तो उसमें पचास हजार से अधिक किताबे मिली। बाबा साहेब हम सभी के लिए प्रेरणा स्रोत है।

बीडीओ आलोक कुमार पंकज ने कहा कि बाबा साहेब ने शिक्षा को सबसे सशक्त हथियार बताया था। उनके दिखाए मार्ग पर चलकर ही हम एक सशक्त राष्ट्र का निर्माण कर सकते हैं। कार्यक्रम में सीएम फेलों आनंद सोनी, प्रधान सोनू यादव, रणजीत यादव रिंटू, राजेश यादव, संतोष,अर्जुन, प्रमोद, सुभाष, अशोक, छोटेलाल, राकेश, वीर बहादुर, अजय सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

सोशल मीडिया से शिकार ढूंढा, फर्जी शादी रचाई, प्रेमी संग मिल कर दी हत्या

संवाददाता–गोरखपुर। शादी का झांसा देकर राजस्थान के एक युवक से ठगी और लूट का पर्दाफाश होने के बाद मध्य प्रदेश के युवक की हत्या की वारदात एक बार फिर सुर्खियों में आ गई है। रेखा की ही तरह दिव्यनगर में किराए के मकान में रहने वाली 'लुटेरी दुल्हन' साहिबा बानो उर्फ खुशी तिवारी ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर मध्य प्रदेश के जबलपुर निवासी 45 वर्षीय इंद्र कुमार तिवारी की हत्या कर दी थी।

दोनों ने परिवार की मर्जी के खिलाफ भागकर शादी की थी। मकान मालिक को उन्होंने बताया था कि कौशल सिलाई का काम करता है और उसकी पत्नी यूपीएससी की तैयारी कर रही है। पांच हजार रुपये महीने पर उन्होंने दो कमरों का फ्लैट लिया था लेकिन शुरू से ही दोनों का व्यवहार संदिग्ध था। मकान मालिक के बार–बार कहने के बावजूद कौशल ने अपना आधार कार्ड नहीं दिया। वह हर बार बहाना बनाकर टालता रहा। दोनों आसपास के लोगों से भी दूरी बनाए रखते थे और अक्सर कई दिनों तक गायब रहते थे। पूछने पर कभी इलाज तो कभी घूमने की बात कहकर बात टाल देते थे। इससे लोगों को पहले से ही शक होने लगा था। तीन जून 2025 को गोरखपुर पहुंचे इंद्र कुमार को आरोपियों ने अपने किराये के मकान में रिश्तेदार बताकर रखा। इसके बाद पांच जून को उसे कुशीनगर के एक होटल ले जाया गया, जहां मांग में सिंदूर भरवाकर फर्जी शादी कराई गई। शादी के बाद आरोपियों ने उसे पनीर–चावल में नींद की गोलियां मिलाकर खिला दीं। बेहोश होने पर उसे गाड़ी से सुकरौली ले जाया गया, जहां चाकू से उसकी हत्या कर दी गई। इसके बाद शव को झाड़ियों में फेंककर आरोपी जेवर और नकदी लेकर भाग गए थे। पुलिस ने घटना का पर्दाफाश करते हुए गिरफ्तार किए गए तीनों आरोपियों को जेल भिजवा दिया था।

शहर–गांवों में मनाई गई अंबेडकर जयंती: रैली निकली, विभिन्न समाज सेवी संस्थाओं और स्थानीय लोगों ने भाग लिया

संवाददाता–संतकबीरनगर। जनपद के खलीलाबाद शहर और आसपास के गांवों में बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती मनाई गई। इस अवसर पर शोभा यात्रा भी निकाली गई, जिसमें राजनीतिक दलों, विभिन्न समाज सेवी संस्थाओं और स्थानीय लोगों ने भाग लिया। जिलाधिकारी आलोक कुमार की अध्यक्षता में खलीलाबाद के कलेक्ट्रेट सभागार में जयंती मनाई गई। जिलाधिकारी और अपर जिलाधिकारी सहित सभी अधिकारियों व कर्मचारियों ने बाबा साहब के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस दौरान अधिकारियों और कर्मचारियों को भारतीय संविधान के संवैधानिक मूल्यों, सामाजिक न्याय, समानता और बंधुता से संबंधित शपथ दिलाई गई। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी (विध्रा) जय प्रकाश, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) चंद्रेश कुमार सिंह, अपर उप जिलाधिकारी सुधीर कुमार, एसओसी विनय कुमार सिंह और सूचना अधिकारी सुरेश कुमार सरोज उपस्थित रहे। विकास भवन परिसर के डीपीआरसी हॉल में भी डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाई गई। यहां जिला पंचायत अध्यक्ष बलिराम यादव, मेहदावल विधायक अनिल कुमार त्रिपाठी और मुख्य विकास अधिकारी जयकेश त्रिपाठी सहित सभी अधिकारियों ने बाबा साहब के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। मेरा युवा भारत (युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार) के तत्वावधान में एहसास डे केयर सेंटर द्वारा कबीर चौरा, मगहर में पदयात्रा का आयोजन किया गया। क्षेत्राधिकारी खलीलाबाद के प्रतिनिधि इंस्पेक्टर जय प्रकाश दूबे ने झंडी दिखाकर पदयात्रा का शुभारंभ किया। उन्होंने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। इस कार्यक्रम में ट्रस्ट डॉ. ए.पी. जे. अब्दुल कलाम के संस्थापक अमीरुद्दीन कादरी, शाहनवाज, राज, साबरे आलम, मोहम्मद अमान और तमनुष्निशा मौजूद रहे।

जिला कांग्रेस कार्यालय पर जिलाध्यक्ष प्रवीण चंद पांडेय के नेतृत्व में डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर आयोजित गोष्ठी में सुनील कुमार पाण्डेय, फैजान खान, चंद्रमणि त्रिपाठी, राजीव गोंड, अंबिका पाण्डेय, दयाशंकर चौधरी, रमेश चौधरी, घनश्याम मिश्रा, दुर्गेश पाठक, बिट्टू सिंह, सुग्रीव पासवान, हीरालाल, श्यामलाल, अरुण पांडे, संजय चौरसिया और जमुना प्रसाद सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सेमरियावा ब्लॉक अंतर्गत उजियार तप्पा में भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। यह आयोजन ब्लॉक परिसर में किया गया, जिसमें दूर–दराज से बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। समाजवादी पार्टी के नेता रोहित पांडे भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। वे शाम करीब 5:15 बजे सेमरियावा ब्लॉक पहुंचे, जिससे कार्यक्रम में और उत्साह बढ़ गया।

रोहित पांडे के नेतृत्व में बाबा साहेब के चित्र पर माल्यार्पण किया गया। इस दौरान उनके विचारों को स्मरण करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में आम जनता की सुविधा के लिए निशुल्क प्याऊ और शीतल पेय पदार्थों की व्यवस्था भी की गई, जिससे गर्मी में लोगों को राहत मिली। अपने संबोधन में रोहित पांडे ने कहा कि हमें आने वाली पीढ़ियों को ऐसी शिक्षा देनी चाहिए, जिससे हर घर में डॉ. भीमराव अंबेडकर जैसे प्रतिभाशाली और जागरूक बच्चे जन्म लें। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि समाज में दशकों से चली आ रही कुरीतियों, भेदभाव और संघर्ष को समाप्त करने के लिए शिक्षित और जागरूक पीढ़ी का निर्माण अत्यंत आवश्यक है।

बाबा साहेब की जयन्ती पर उमड़ी आस्था

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। जनपद में डॉ. भीमराव आंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर श्रद्धा, सम्मान और सामाजिक एकता का अद्भुत दृश्य देखने को मिला। दूर–दराज के गांवों और कस्बों से बड़ी संख्या में लोग इस ऐतिहासिक अवसर पर शामिल होने पहुंचे।

तेज धूप और बढ़ती गर्मी को देखते हुए, ग्रुप ट्रस्ट ने मानवता की मिसाल पेश करते हुए कटेश्वर पार्क, बस्ती में विशेष सेवा शिविर का आयोजन किया। ट्रस्ट द्वारा आगंतुकों के लिए जलपान की व्यवस्था की गई, साथ ही मीठे प्रसाद के रूप में हलवा वितरित किया गया।

ट्रस्ट के अध्यक्ष ''इंजीनियर मंजू आशीष बुद्धघोष'' और महिला पदाधिकारी ''श्रीमती मंजू गौतम'' ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए देश और विश्वभर के लोगों को बाबा साहब की जयंती की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि बाबा साहब के विचार आज भी समाज को समानता, शिक्षा और अधिकारों की दिशा में प्रेरित करते हैं।

इस आयोजन में बड़ी संख्या में स्वयंसेवकों ने सक्रिय भूमिका निभाई। प्रमुख रूप से डॉ. आशीष कुमार गौतम, अज्ञेय कुमार गौतम, अनुसंधाना गौतम, चंद्र प्रकाश, इंजीनियर बुद्धयश, इंजीनियर निधि गौतम, ज्योति, अंजली, अरुणलता, महेंद्र, सुजीत कुमार, राम मनोहर, कनकलता, अश्वघोष, अनन्य घोष, आदेश, आदित्य और अवधेश कुमार सहित अन्य लोग उपस्थित रहे और व्यवस्थाओं को सफल बनाने में योगदान दिया।

दो गांवों के सिवान में लगी आग: 1 बीघा फसल जलकर राख

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले के खलीलाबाद कोतवाली थाना क्षेत्र में सोमवार को बुधा कला और टेमा रहमत गांवों के सिवान (खेतों) में भीषण आग लग गई। इस घटना में लगभग 100 बीघा गेहूं का डंठल और एक बीघा गेहूं की खड़ी फसल जलकर राख हो गई। अज्ञात कारणों से लगी इस आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया। तेज हवा के कारण आग तेजी से फैली, जिससे आसपास के कई खेत प्रभावित हुए और पूरे क्षेत्र में अफरा–तफरी मच गई। आग सिवान से गांव तक पहुंचने लगी थी। ग्रामीणों ने बाल्टी, पाइप और अन्य उपलब्ध संसाधनों का उपयोग कर आग बुझाने का प्रयास किया। आग लगने की सूचना पर कांटे चौकी की पुलिस टीम तत्काल बुधा कला गांव पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। ग्रामीणों और पुलिस के प्रयासों से बुधा कला गांव के सिवान में आग पर काफी हद तक नियंत्रण पा लिया गया। मौके पर दमकल गाड़ी भी पहुंच गई थी। हालांकि, शाम के वक्त टेमा रहमत गांव के सिवान में लगी आग गांव तक पहुंच गई, जिससे ग्रामीणों में अफरा–तफरी मच गई। लोगों की सूझबूझ और मौके पर पहुंची दमकल गाड़ी की मदद से टेमा रहमत गांव में भी आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया।

दोना–पत्तल गोदाम में लगी आग, लाखों का सामान जलकर खाक

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले के खलीलाबाद शहर में सोमवार देर रात दोना–पत्तल के एक गोदाम में भीषण आग लग गई। आग इतनी भयावह थी कि लाखों रुपये का सामान जलकर खाक हो गया। दमकल विभाग की आठ गाड़ियों ने करीब तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

आग की लपटें जब गोदाम से बाहर निकलने लगीं, तो आसपास के लोगों ने शोर मचाया और पुलिस व फायर ब्रिगेड को सूचना दी। स्थानीय लोगों ने बाल्टियों से पानी डालकर आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग की तीव्रता के कारण यह प्रयास विफल रहा।

सूचना मिलने पर दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। आग की भयावहता को देखते हुए कुल आठ दमकल गाड़ियों को बुलाया गया। आग पर काबू पाने के लिए दमकल कर्मियों को काफी मशक्कत करनी पड़ी। उन्हें मकान के पीछे की दीवार तोड़कर अंदर घुसना पड़ा, जिसके बाद लगभग तीन घंटे में आग पर नियंत्रण पाया जा सका।

यह गोदाम राजेश अग्रहरि का है। उन्होंने बताया कि आग से लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है।

राजेश अग्रहरि का यह गोदाम खलीलाबाद शहर में मुखलिसपुर पेट्रोल पंप के पीछे मोतीनगर कॉलोनी में स्थित है। उनका परिवार हालांकि दूसरे स्थान पर रहता है। मुखलिसपुर रोड पर उनकी राजेश ट्रेडर्स के नाम से एक किराने की दुकान भी है, जिसका सारा माल इसी गोदाम में रखा जाता था। रात में गोदाम बंद कर वे अपने दूसरे घर चले जाते थे। आग लगने की सूचना उन्हें आसपास के लोगों ने फोन पर दी थी। कन्हैया वर्मा ने दमकल विभाग को आग की जानकारी दी थी।

ग्राम पंचायत– महदेवा नानकार विकास खण्ड नौगढ़, जनपद–सिद्धार्थनगर

अल्पकालीन निविदा सूचना

ग्राम पंचायत **महदेवा नानकार** द्वारा मनरेगा/बीवीजी/रामजी / राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना / विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) / 15वां / 16वां वित्त /केन्द्रीय वित्त / पंचम राज्य वित्त आयोग /ओएसआर वित्त/उत्सव भवन / स्वच्छ भारत मिशन/एस.एल. डब्ल्यू. एम. / सांसद / विधायक एम. एल. सी. निधि के अन्तर्गत वर्ष 2026–2027 में स्वीकृत योजनाओं के अन्तर्गत कराये जाने वाले कार्यों में प्रयोग हेतु सामग्री आपूर्ति हेतु (प्रथम श्रेणी ईंट, सीमेंट, ईंट की गिट्टी, पत्थर की गिट्टी, सरिया, पेंट, साइनबोर्ड, ह्यूम पाइप, स्ट्रीट लाइट, सफाई सामग्री, बेला, सादा बालू, मोरंग बालू, कूड़ादान, प्लास्टिक बैंक, ई–रिक्शा साइकिल, ई–रिक्शा मरम्मत, स्वच्छता किट, इन्सिनरेटर आदि एवं अन्य प्रकार की निर्माण में प्रयुक्त सामग्री आदि) की आवश्यकता है। इस निमित्त निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 24–04–2026 को समय 12:00 बजे तक अपनी निविदा फार्म मूल्य रू100.00 के स्टाम्प पेपर तथा वांछित प्रपत्र बंद लिफाफे में कार्यालय/स्थान ग्राम पंचायत **महदेवा नानकार** निविदा बॉक्स में डालेंगे। निविदा उसी दिन 03:00 बजे निविदाताओं के समक्ष खोली जाएगी। शर्तें एवं नियमावली: 1. अधिकृत फर्म/अधिकृत डीलर का जी. एस.टी. रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा 03 वर्ष का आयकर क्लियरेंस संलग्न करना अनिवार्य है। 2. जी. एस. टी. तथा कार्टेज चार्ज जोड़कर ही दरें प्रस्तुत की जाएं। 3. आपूर्तिकर्ता को आपूर्ति पर 2.28 प्रतिशत आयकर/टीडीएस देना होगा। 4. प्रस्तुत दरें पी.डब्ल्यू.डी. द्वारा स्वीकृत दर से अधिक मान्य नहीं होंगी। भुगतान पी.डब्ल्यू.डी. के समयानुसार तय दर पर ही किया जाएगा। 5. ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान, रोजगार सेवक, पंचायत सहायक, टीए, अवर अभियंता के सगे सम्बन्धी एवं रिश्तेदार द्वारा निविदा प्रस्तुत नहीं की जाएगी 16. धरोहर की धनराशि रू 5000.00 (पांच हजार) होगी। 7. धरोहर की राशि राष्ट्रीयकृत बैंकों के एफडीआर/एनएससी एवं डाकघर के बचत पत्र के रूप में सचिव ग्राम पंचायत के नाम बंधक होगी। मूल प्रति संलग्न करना अनिवार्य है। 8. निविदा स्वीकृत होने के उपरांत ग्राम प्रधान सचिव ग्राम पंचायत द्वारा आदेश देने पर ही सामग्री की आपूर्ति की जाएगी। 9. आदेश देने के सात दिनों के अंदर सामग्री आपूर्ति न करने की दशा में धरोहर की धनराशि जब्त कर ली जाएगी। 10. सामग्री की आपूर्ति स्वीकृत दर से निर्धारित कार्यस्थल पर करनी होगी। 11. सामग्री की मात्रा कार्य के अनुसार घटाई व बढ़ाई जा सकती है। 12. आपूर्ति कर्ता को भुगतान का इंजीनियर/अवर अभियंता (या अभियंता) /तकनीकी सहायक द्वारा सामग्री की गुणवत्ता प्रमाणित होने तथा माप के उपरांत किया जाएगा। गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर भुगतान नहीं किया जाएगा। 13. निविदा फार्म ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र रू 100.00 में ही स्वीकार किया जाएगा। 14. निविदा फार्म किसी भी कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय से निर्धारित मूल्य देकर प्राप्त किया जा सकता है। 15. निविदा को बिना कारण बताए निरस्त करने का अधिकार ग्राम प्रधान/सचिव ग्राम पंचायत के पास सुरक्षित रहेगा। 16. निविदा के सम्बन्ध में अन्य जानकारी सचिव ग्राम पंचायत **महदेवा नानकार** से किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त की जा सकती है। 17. जिस कार्य की निविदा पृथक से निकाली जाएगी उस कार्य पर इस निविदा की शर्तें लागू नहीं होंगी।

ग्राम प्रधान	सचिव
बुद्धिसागर चौरसिया	स्वप्निल श्रीवास्तवा
ग्राम पंचायत–महदेवा नानकार	ग्राम पंचायत–महदेवा नानकार
विकास खण्ड–नौगढ़,	विकास खण्ड–नौगढ़,
सिद्धार्थनगर	सिद्धार्थनगर

सामाजिक न्याय के प्रति प्रतिबद्ध थे बाबा साहब

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती । भारत रत्न डा० भीमराव अम्बेडकर जयंती के अवसर पर कलेक्ट्रेट सभागार में धूमधाम एवं श्रद्धा के साथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाधिकारी श्रीमती कृत्तिका ज्योत्स्ना ने की। इस अवसर पर जिलाधिकारी श्रीमती कृत्तिका ज्योत्स्ना, अपर जिलाधिकारी प्रतिपाल सिंह चौहान तथा मुख्य राजस्व अधिकारी कीर्ति प्रकाश भारती सहित अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा डा० भीमराव अम्बेडकर जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि डा० अम्बेडकर जी का जीवन संघर्ष, समर्पण एवं सामाजिक न्याय के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का अद्वितीय उदाहरण है। उनके द्वारा निर्मित संविधान आज भी देश को एकता, समानता एवं न्याय के मार्ग पर अग्रसर कर रहा है।

इस अवसर पर जिलाधिकारी द्वारा उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भारत के संविधान के प्रति निष्ठा, सामाजिक समरसता एवं समानता बनाए रखने की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में कलेक्ट्रेट के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

इसी क्रम में विकास भवन में भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती के अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सार्थक अग्रवाल की अध्यक्षता में कार्यक्रम का भव्य एवं गरिमामय आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बढ़–चढ़कर सहभागिता की।

इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों ने डॉ. अम्बेडकर के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम के दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने उनके जीवन, संघर्ष और देश के प्रति उनके अमूल्य योगदान पर प्रकाश डाला।

मुख्य विकास अधिकारी ने अपने संबोधन में कहा कि हमें डॉ. अम्बेडकर के विचारों को आत्मसात करते हुए समाज में समानता और भाईचारे की भावना को सुदृढ़ करना चाहिए। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से आह्वान किया कि वे अपने कर्तव्यों का निर्वहन ईमानदारी और निष्ठा के साथ करें।कार्यक्रम के अंत में मुख्य विकास अधिकारी द्वारा सभी लोगों को भारतीय संविधान के प्रति निष्ठा एवं उसके मूल्यों के पालन की शपथ भी दिलाई गई। इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी अजय सिंह, डीपीआरओ घनश्याम सागर सहित विकास भवन के अधिकारी कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

गोवध निवारण अधिनियम में एक अभियुक्त को पकड़ा

संवाददाता–संतकबीरनगर। खलीलाबाद कोतवाली पुलिस ने गोवध निवारण अधिनियम के तहत एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई क्षेत्राधिकारी खलीलाबाद प्रियम राजशेखर पाण्डेय के निकट पर्यवेक्षण और प्रभारी निरीक्षक जय प्रकाश दूबे के नेतृत्व में की गई। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान रफीक पुत्र तफज्जुल, निवासी ग्राम दुर्गजोत बंजारा टोला, थाना बखिरा, जनपद संत कबीर नगर के रूप में हुई है। उसे 14 अप्रैल 2026 को बघौली से पिपरा बोरिंग जाने वाले टैक्सी स्टैंड के पास से पकड़ा गया। उपनिरीक्षक प्रज्ञान्शु राय, कांस्टेबल संदीप यादव और कांस्टेबल कमलेश कुमार यादव ने यह गिरफ्तारी की। यह मामला 5 अप्रैल 2026 का है, जब खलीलाबाद कोतवाली पुलिस को बालूशासन पुल के पास एक पिकअप गाड़ी में 05 गोवंशीय पशु मिले थे। इन पशुओं को क्रूरतापूर्वक बांधकर वध के लिए ले जाया जा रहा था। इनमें से एक गोवंशीय पशु की इलाज के दौरान मृत्यु हो गई थी। इस मामले में पुलिस ने पहले भी तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया था। छोटके पासवान, कल्लू पासवान और बीरु पासवान पुत्रगण निरहू, निवासीगण कुकुरभुकवा, थाना ललिया, जनपद बलरामपुर को 6 अप्रैल 2026 को झुड़िया पुलिया के पास से पकड़ा गया था। उनके पास से 02 जीवित गोवंशीय पशु और 03 मोबाइल फोन बरामद हुए थे। पुलिस ने गोवध निवारण अधिनियम और धारा 11 पशु क्रूरता अधिनियम के तहत मामला पंजीकृत किया है।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0–T202517140405054
अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी महोदय रूधौली जिला बस्ती

सरोजा देवी
बनाम
प्रेम कुमारी आदि

1. प्रेम कुमारी पत्नी राजदेव निवासी भुवनडाड़ हाल मुकाम बढ़या राजा तप्पा उमरा परगना बस्ती पूरव तहसील रूधौली जिला बस्ती 2. प्रहलाद यादव पुत्र राम दुलारे ग्राम भीटारामसेन तप्पा उमरा परगना बस्ती पूरव तहसील रूधौली जिला बस्ती

तारीख पेशी 17–04–2026

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 17 माह 04 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैस़ला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल **bhartiyabasti@gmail.com**
dainikbhartiyabasti@gmail.com